RAJASTHAN PATRIKA, Ahmedabad, 11.8.2024
Page No. 14, Size:(17.38)cms X (18.48)cms.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

बुलेट ट्रेन, मेट्रो, रेलवे, बीआरटीएस व एएमटीएस की होगी एक साथ सुविधा

अहमदाबाद बनेगा देश का पहला मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब

अहमदाबाद एक ऐसा विरासती शहर है जहां पर देश का पहला मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब तैयार किया जा रहा है। साबरमती इलाके में रेलवे स्टेशन, बुलेट ट्रेन के स्टेशन के साथ-साथ इसे मेट्रो, बीआरटीएस और एएममटीएस से भी जोड़ा जा रहा है। इससे अहमदाबाद के परिवहन को एक नई पहचान भी मिलेगी। यह मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल यानी बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का एक अभिन्न अंग है। इसके आगे का हिस्सा स्टेनलेस स्टील से बना एक बड़ा भित्ति चित्र है जो दांडी मार्च आंदोलन को दर्शाता है और साबरमती को देश के इतिहास में ऐतिहासिक महत्व देता है। हब में तीसरी मंजिल के स्तर पर कॉनकोर्स एरिया है, जिसमें यात्रियों की सुविधा के लिए वेटिंग लाउंज, रिटेल विकल्प और रेस्तरां आदि सुविधाएं हैं। कॉनकार्स फ्लोर के ऊपर बिल्डिंग दो अलग-अलग ब्लॉक-ए और बी में विभाजित हैं, जो दो स्तरों पर छतों से जुड़े हुए हैं। ब्लॉक ए में कार्यालय के लिए छह मंजिलें आरक्षित हैं, जबकि चार मंजिलों वाले ब्लॉक बी को कमरे, बैंक्वेट हॉल, कॉन्फ्रेंस रूम, स्विमिंग पूल और रेस्तरां के साथ होटल की सुविधा के लिए डिजाइन किया गया है। हब की ग्रीन बिल्डिंग की छतों पर सौर पैनल, व्यापक लैंडस्केप टेरेस और उद्यान शामिल हैं, जो आसपास के सुंदर दृश्य प्रदान करती हैं।

436638 वर्ग फीट बेसमेंट से दूसरी मंजिल तक क्षेत्रफल

579980 वर्ग फीट सुपर बिल्टअप एरिया

1300 वाहनों की पार्किंग

02 ब्लॉक जुड़ेंगे कॉनकोर्स लेवल से तीसरी मंजिल पर

09 मंजिला होगा ब्लॉक ए, कॉमर्शियल फ्लोर स्पेस

साबरमती का मल्टी मॉडल टांसपोर्ट हब

07 मंजिला होगा ब्लॉक बी, होटल/कॉमर्शियल फ्लोर

08.87 मीटर चौड़ी होगी मुख्य रोड, अलग-अलग प्रवेश व निकास

13 लिफ्ट, कम से कम 16 यात्रियों की क्षमता के साथ

06 एस्केलेटर लगाए जाएंगे

तीन फुट-ओवरब्रिज

यात्रियों की आवाजाही आसानी से हो सके इसके लिए हब को जोड़ने के लिए तीन फुट-ओवरब्रिज बनाए जा रहे हैं। बुलेट ट्रेन का हाई स्पीड रेल स्टेशन साबरमती रेलवे यार्ड क्षेत्र में जेल रोड की तरफ साबरमती रेलवे स्टेशन की ओर तैयार हो रहा है। इन स्टेशनों के बीच आवाजाही के लिए 249 मीटर लंबा ओवरब्रिज बनाया गया है। ट्रैवलेटर भी लगाया जा रहा है। 215 मीटर लंबा दूसरा फुट-ओवरब्रिज टर्मिनल हब और एईसी मेट्रो स्टेशन और बीआरटीएस स्टेशन से जुड़ा है। 230 मीटर लंबा तीसरा फुट ओवरब्रिज बुलेट ट्रेन स्टेशन और साबरमती ब्रॉडगेज स्टेशन से जुड़ा है। इसका कार्य अंतिम चरण में है। यात्रियों को टिकटों के लिए अलग-अलग स्टेशनों पर भटकना नहीं पड़ेगा। यहां बुलेट ट्रेन, रेलवे, मेट्रो के टिकट काउंटर की सुविधा होगी।

दांडी मार्च की थीम पर झांकी

ट्रांसपोर्ट हब में दो इमारतें बनाई गई हैं। इसमें एक इमारत सात मंजिला और दूसरी नौ मंजिला है। इमारत पर दांडी मार्च की थीम की झांकी सजाई गई है। ऊपर से देखने पर इसका नजारा चरखा जैसा नजर आएगा। 125542 वर्गमीटर क्षेत्र में बने इस ट्रांसपोर्ट हब में सरकारी और रेलवे के कार्यालयों के साथ-साथ होटल, रेस्टोरेन्ट और शोपिंग मॉल होंगे।

परिवहन क्षेत्र में नई क्रांति की उम्मीद

इस मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब से बुलेट ट्रेन के प्लेटफॉर्म की दूरी सिर्फ 150 मीटर, रेल और मेट्रो स्टेशन की दूरी क्रमश: 300 और 700 मीटर है। बीआरटीएस के स्टैंड की दूरी महज 150 मीटर है। हवाई अड्डे की दूरी 7 किलोमीटर है। ऐसे में देश के इस पहले मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब से परिवहन के क्षेत्र में नई क्रांति की उम्मीद की जा रही है।

अहमदाबाद शहर में हाल-ए-ट्रैफिक

75 लाख शहर आबादी

03 लाख रिक्शा व रेडियो कैब

50 लाख दुपहिया वाहन

03 हजार सालना नई कार

1.25 लाख सालाना नए दुपहिया

1300 वाहनों की पार्किंग

साबरमती मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब में एक पार्किंग का निर्माण किया गया है। इमारतों में 1100 से ज्यादा कार और 300 दुपहिया वाहन पार्क हो सकेंगे। इसमें 1300 वाहन पार्क हो सकेंगे। बसों, ऑटो, दुपहिया वाहनों के साथ निजी कारों और टैक्सी से जाने वाले लोगों के पिक एंड ड्रॉप की सुविधा भी रखी गई है। इसके लिए निर्धारित डॉफ लेन बनाई गई हैं। इसमें ट्रांसपोर्ट की सीमलेस कनेक्टिविटी मिलेगी।

साबरमती रोलिंग स्टॉक डिपो

डिपो को जापानी शिंकानसेन डिपो के आधार पर डिजाइन किया जा रहा है। लगभग 83 हेक्टेयर क्षेत्रफल का साबरमती रोलिंग स्टॉक डिपो सबसे बड़ा डिपो है इसमें निरीक्षण बे, वाशिंग प्लांट, वर्कशॉप, शेड, स्टेबलिंग लाइन आदि के साथ ट्रेनसेट के हल्के और भारी रखरखाव दोनों के लिए अत्याधुनिक उपकरण होंगे।

RAJASTHAN PATRIKA, Ahmedabad, 11.8.2024
Page No. 14, Size:(17.38)cms X (9.09)cms.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट: शहर को ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी में मिल रहा है नया आयाम

अहमदाबाद ट्रेन स्टेशन

स्टेशन को प्लेटफॉर्म नंबर 10, 11 और 12 के ऊपर मौजूदा रेलवे स्टेशन पर लगभग 38,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में बनाने की योजना...

प्लेटफार्म की संख्या: 02

स्टेशन की ऊंचाई: जमीनी स्तर से 33.7 मीटर

-435 मीटर का कॉनकोर्स स्लैब और 150 मीटर का प्लेटफॉर्म लेवल स्लैब पूरा हो गया है।

साबरमती ट्रेन स्टेशन

एमएचएसआर कॉरिडोर का टर्मिनल स्टेशन साबरमती, महात्मा गांधी के साबरमती आश्रम के चरखे से प्रेरित है। इस स्टेशन को लगभग 45,094 वर्गमीटर क्षेत्र में बनाने की योजना है।

प्लेटफार्म की संख्या: 04

स्टेशन की ऊंचाई: जमीनी स्तर से 44 मीटर

फाउंडेशन का काम पूरा

प्रथम तल पर स्लैब निर्माण का काम चल रहा

बुलेट ट्रेन के सभी स्टेशनों पर निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। गुजरात में सभी 8 स्टेशनों पर नींव का काम पूरा हो चुका है।

अहमदाबाद बुलेट ट्रेन स्टेशन शहर के समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक लोकाचार से प्रेरित है। जहां एक ओर स्टेशन की छत सैकड़ों पतंगों के एक कैनवास को दर्शाती है, वहीं दूसरी ओर स्टेशन का अग्रभाग प्रतिष्ठित सैयद सिद्दीकी की जाली के जटिल जाली काम से प्रेरित है।

साबरमती नदी पर पुल

बुलेट ट्रेन मार्ग गुजरात के अहमदाबाद जिले में साबरमती नदी से होकर गुजरेगा।

पुल की प्रमुख विशेषताएं...

पुल की लंबाई: 480 मीटर

नदी की चौड़ाई: 350 मीटर
इसमें 76 मीटर के 5 और 50 मीटर के 2 स्पैन शामिल हैं

खम्भों की ऊंचाई: 31 से 33.5 मीटर हैं
6 मीटर और 6.5 मीटर व्यास के गोलाकार खम्भे शामिल हैं

यह पुल साबरमती और अहमदाबाद बुलेट ट्रेन स्टेशन के बीच में है

बुलेट ट्रेन परियोजना में जापानी शिंकानसेन ट्रैक सिस्टम पर आधारित जे-स्लैब ट्रैक सिस्टम का प्रयोग किया जाएगा।

बुलेट ट्रेन के 508 किमी मार्ग पर 12 स्टेशन हैं। गुजरात में साबरमती, अहमदाबाद, आणंद, वडोदरा, भरूच, सूरत, बिलिमोरा ,वापी स्टेशन हैं।